7 राजा

पाठ-योजना

पाठ का नाम	राजा
कालांश संख्या	4 से 8
शिक्षण प्रक्रिया	Student Led
पाठ का उद्देश्य	• प्राचीनकाल के उदारवादी राजा और प्रजा के मध्य के संबंधों की जानकारी देना। • इतिहास के रोचक तथ्यों से अवगत करवाना • राजा रणजीत सिंह की चारित्रिक विशेषताओं से अवगत करवाना • संवदेनशीलता तथा विनम्रता जैसे मूल्यों का विकास करना • पाठ का भावानुसार वाचन सिखाना • कठिन शब्दों का शुद्ध उच्चारण और अर्थ सिखाना • नुकता और कारकों का परिचय देकर अभ्यास करवाना • मुहावरों के अर्थ और वाक्य प्रयोग सिखाना। • विविध गतिविधियों द्वारा सृजनात्मक क्षमता का विकास करना।
पाठ में आने वाले विषय	नुकतेवाले शब्द, पर्यायवाची, विपरीतार्थक, कारक, परियोजना निर्माण, सूची निर्माण, प्रेज़ेंटेशन बनाना, वाद-विवाद
शिक्षण सामग्री	Smart Board and Animation, टेस्ट जेनरेटर, पाठ्यपुस्तक, Websupport (Worksheets), कॉपियाँ, पेंसिल, आदि।
मानक/अमानक शब्द	उत्तर/उत्तर, गुरुद्वारों/गुरुद्वारों, झुंड/झुण्ड
आरंभ— चर्चा एवं समूह वाचन, कौशल—पठन, वाचन-श्रवण	• बच्चों को पाठ के शीर्षक और चित्रों पर चर्चा करने दें—पाठ के शीर्षक से इसकी कथावस्तु के बारे में क्या पता चलता है? पाठ का मुख्य पात्र कौन हो सकता है? चित्रों में क्या हो रहा है? चित्र किस काल के लग रहे हैं? लोग पंक्ति बनाकर क्यों खड़े होंगे? आदि। • बच्चों से पुराने राजा-महाराजाओं के बारे में बातचीत करें। उनकी शासन प्रक्रिया के बारे में बताएँ। • Smart Board पर पाठ का एनिमेशन दिखाएँ और वाचन सुनवाएँ। • अब पाठ का सार बताएँ तथा पाठ का छोटे-छोटे समूहों में वाचन करवाएँ। • एकाग्रता बनाए रखने के लिए बीच-बीच में प्रश्न पूछते रहें। • वाचन करते समय कठिन प्रतीत होनेवाले शब्दों को Board पर लिख लें। • कठिन शब्दों का सही उच्चारण, अर्थ और विशिष्ट प्रयोग बताएँ। • पाठ में से मुहावरे चुनने को कहें। • मुहावरों के अर्थ पूछें—बताएँ अथवा वाक्य प्रयोग बताएँ। • पाठ की प्रासंगिकता के बारे में बच्चों को चर्चा करने दें। उनके विचार जानें और अपने भी विचार रखें।
मध्य कौशल— लेखन, वाचन	• माइंड मैप द्वारा पाठ की पुनरावृत्ति करवाएँ। • 'पढ़िए' शीर्षक के अंतर्गत दिए गए शब्दों का उच्चारण करवाएँ। श्रुतलेख भी करवा सकते हैं। बच्चे एक-दूसरे के लिखे गए शब्दों की वर्तनी जाँचें। • 'बताइए' और 'सोचिए' के अंतर्गत दिए गए प्रश्नों पर कक्षा में चर्चा करें। बच्चे मौखिक रूप से उत्तर दे। • 'लिखिए' शीर्षक के अंतर्गत प्रश्न 1 और व्याकरण संबोध में दिए प्रश्नों के हल पुस्तक में ही करवाएँ। प्रश्न 2 और 3 पर कक्षा में चर्चा करें और कॉपी में हल लिखवाएँ।

Scanned with OKEN Scanner

	• विषय संवर्धन गतिविधियों के अंतर्गत छात्रों के समूह बनवाएँ। प्रत्येक समूह अपनी इच्छानुसार गतिविधि का चुनाव करे और कक्षा में प्रस्तुत करे। • 'क्या होता यदि' शीर्षक के अंतर्गत दी गई स्थिति पर सामूहिक चर्चा करवाएँ और मुख्य बिंदुओं को कॉपी में नोट करवाएँ।
अंत कौशल— लेखन, वाचन	Websupport से Worksheet के प्रिंट लेकर बच्चों को वितरित करें और गृहकार्य के रूप में करके लाने को कहें। कक्षा के सभी बच्चे एक-दूसरे की Worksheet की जाँच करें अथवा शिक्षक सही उत्तर कक्षा में बुलवाएँ और छात्रों को स्वमूल्यांकन करने दें।
शिक्षण संप्राप्तियाँ	• बच्चे राजा रणजीत सिंह की दानवीरता, उदारता और प्रजा प्रेम को जानेंगे। • संवेदनशील और विनम्र बनेंगे। • पाठ का भावानुसार वाचन कर सकेंगे। • कठिन शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कर सकेंगे। • नुकता और कारक सहित विभिन्न व्याकरणिक बिंदुओं का अभ्यास हो जाएगा। • परियोजना, प्रेज़ेंटेशन, सूची-निर्माण और वाद-विवाद आदि गतिविधियों द्वारा सृजनात्मक और भाषिक क्षमता का विकास होगा।

पाठ का सार

सुदर्शन द्वारा लिखित प्रस्तुत कहानी राजा रणजीत सिंह के शासन काल, उनकी नीतियों और उनकी लोकप्रियता का वर्णन करती है। एक दिन प्रेसवाले से बातचीत के दौरान लेखक उसकी उम्र सुनकर चौंका। उसे लगा यदि प्रेसवाला इतनी अधिक उम्र का है तो ज़रूर उसने सिक्खों का राज्य देखा होगा। प्रेसवाले ने लेखक को अपने बचपन की एक घटना सुनाई, जब चारों ओर अकाल पड़ गया था और लोग भूखे मरने लगे थे। ऐसे समय में उनके राजा ने गरीबों को मुफ़्त अनाज देने की मुनादी करवाई। उसने अनाज बँटते देखा तो वह भी अपने बाबा के साथ अनाज लेने गया। एक बार में केवल बीस सेर अनाज दिया जा रहा था। पहुँचने में देर होने पर सरकारी लोगों ने बाबा को अनाज देने से मना कर दिया। तब बाबा की प्रार्थना सुनकर एक सरदार आगे आया और बाबा को बीस सेर अनाज दिलवा दिया। बाबा ने और बीस सेर अनाज देने की प्रार्थना की तो सरदार ने और अनाज दिलवा दिया। बाबा बूढ़े होने के कारण भारी गठरी नहीं उठा सकते थे इसलिए सरदार स्वयं गठरी उठाकर घर तक छोड़ने गया। वह दयालु सरदार और कोई नहीं बल्कि राजा रणजीत सिंह ही थे। यह पाठ सिखाता है कि जो लोग समाज की भलाई के कार्य करते हैं, उदार और दयालु होते हैं उन्हें लोग हमेशा याद रखते हैं।

अभ्यास

पढ़िए

1. **मानक वर्तनी एवं वाचन (उच्चारण)**

   दिए गए शब्दों की शुद्ध वर्तनी कक्षा में बोर्ड पर लिखवाएँ या कॉपी में लिखने को कहें। शब्दों का कक्षा में शुद्ध उच्चारण करवाएँ।

2. **बताइए**

   क. सिक्खों के राजा के बारे में प्रेसवाले ने क्या बताया?

   उ. प्रेसवाले ने बताया कि सिक्खों के राजा बहुत दयालु थे। साधुओं जैसा स्वभाव था। अहंकार का नामोनिशान नहीं था।

Scanned with OKEN Scanner

ख. वृक्षों के पत्ते उबालकर खाना क्या दर्शाता है?

उ. उस वर्ष राज्य में भारी अकाल पड़ा था। लोगों के घरों में संचित जो भी अन्न था सभी समाप्त हो चुका था। लोगों के पास धन का नितांत अभाव था। कई दिनों तक लोगों ने संघर्ष करते हुए वृक्षों के पत्ते उबालकर खाए थे। इससे अकाल की भीषणता का पता चलता है।

ग. फाटक पर खड़े सिपाही सफ़ेद कपड़ों वाले लोगों को अंदर क्यों नहीं जाने दे रहे थे?

उ. फाटक पर खड़े सिपाही सफ़ेद कपड़ों वाले लोगों को अंदर जाने नहीं दे रहे थे क्योंकि उनका मानना था कि सफ़ेद कपड़े अमीर लोग पहनते हैं अर्थात उनकी नज़र में सफ़ेद कपड़े पहननेवाले अमीर हुआ करते थे।

3. सोचिए (मूल्यपरक प्रश्न)

❖ अकाल, बाढ़, सुनामी जैसी प्राकृतिक आपदाओं के समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? प्रत्येक नागरिक और समाज के योगदान की चर्चा कीजिए।

उ. किसी भी आपदा के समय घबराना नहीं चाहिए। बाढ़-सुनामी आने पर ऊँचे स्थान पर चले जाना चाहिए। एक-दूसरे की मदद करनी चाहिए। सुरक्षा के नियमों का पालन करना चाहिए। भोजन-सामग्री बचाकर रखनी चाहिए तथा बच्चे, बूढ़ों, दिव्यांगों और महिलाओं की मदद करनी चाहिए (इस प्रकार छात्र चर्चा को आगे बढ़ाएँ)

लिखिए

1. गद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

मैंने कहा ..... भारी हो रहे थे।

क. बच्चा क्या माँग रहा था? i. रोटी ✓

ख. अभी तक बच्चा क्या खा रहा था? iii. पत्ते ✓

ग. बच्चा क्या सोचता था? iii. अकाल गरीबों के यहाँ ही है ✓

घ. रोटी कौन, किससे और क्यों माँग रहा था?

उ. बच्चा, बाबा से रोटी माँग रहा था क्योंकि भूख अब सहन नहीं हो रही थी।

ङ 'मन-मन भर भारी होना' का क्या अर्थ है?

उ. जीवन में हर तरह से निराशा भरी हुई थी। निराश मन से घर लौटने के लिए पैर उठ नहीं रहे थे।

2. संक्षेप में उत्तर लिखिए—

क. लेखक प्रेसवाले की कौन-सी बात सुनकर चौंका?

उ. लेखक प्रेसवाले की उम्र जानकर चौंक गया।

ख. सरकारी आदमी क्या मुनादी कर रहा था?

उ. सरकारी आदमी महाराजा रणजीत सिंह द्वारा गरीबों को अनाज देने की मुनादी कर रहा था।

ग. राजा की उदारता पर लोगों की क्या प्रतिक्रियाएँ थीं?

उ. लोगों की प्रतिक्रिया थी कि राजा आदमी नहीं, देवता हैं।

घ. बाबा को अनाज मुफ़्त मिलने की बात पर विश्वास क्यों नहीं हुआ?

उ. बाबा निराश हो चुके थे इसलिए उन्हें अनाज मुफ़्त मिलने की बात पर विश्वास नहीं हुआ।

ङ सबको बीस-बीस सेर अनाज मिल रहा था पर बाबा को चालीस सेर मिला। क्यों?

उ. बाबा ने अपनी बेबसी, गरीबी और बुढ़ापे का हवाला देकर चालीस सेर अनाज प्राप्त किया।

Scanned with OKEN Scanner

3. **विस्तार से उत्तर लिखिए—**

क. अकाल पड़ने पर क्या हुआ?

उ. अकाल पड़ने पर चारों ओर हाहाकार मचा हुआ था। तालाब, नदी, नाले सूख गए थे। मुसलमान मस्जिदों में नमाज़ पढ़ते, हिंदू मंदिरों में पूजा करते, सिक्ख गुरुद्वारों में ग्रंथ साहब का पाठ करते थे। बाज़ारों में रौनक न थी, दुकानों पर ग्राहक न थे, घरों में अनाज न था। लोग भूखों मर रहे थे।

ख. सारे घर को रात में नींद क्यों नहीं आई?

उ. यह जानकर कि घर तक गठरी पहुँचाने वाला कोई और नहीं था बल्कि स्वयं उनके महाराज थे, सारे घर को रात में नींद नहीं आई। सारा घर जागता था और सच्चे दिल से महाराज के लिए दुआ माँगता था।

ग. सरदार साहब की विशेषताएँ लिखिए। उदाहरण भी दीजिए।

उ. **सरदार साहब की विशेषताएँ—**

- सरदार साहब दयालु थे। जनता के दुख को अपना दुख समझते थे। अकाल के समय में उन्होंने बाजार से अनाज खरीदकर जनता में निशुल्क वितरित करवाया था।
- उनमें अहंकार नाममात्र को भी नहीं था। जब बूढ़े बाबा से अनाज की गठरी नहीं उठी तो स्वयं ही गठरी उठाकर बूढ़े बाबा के घर तक ले गए थे।
- सरदार साहब सच्चे कर्मयोगी थे। लोभ-लालच तो उन्हें छू भी नहीं गया था।

आशय स्पष्ट कीजिए—

क. आजकल तो पचास साल से पहले ही तैयारी कर लेते हैं।

उ. आजकल लोगों की जीवन शैली कुछ ऐसी हो गई है कि पचास की उम्र तक आते-आते अनेक असाध्य रोग घर कर लेते हैं और व्यक्ति असमय ही मौत के मुँह में चला जाता है।

ख. पानी सिवाय आँखों के कहीं नज़र न आता था।

उ. राज्य में पानी के सभी स्रोत नदी, तालाब, कुएँ सूख चुके थे। चारों ओर हाहाकार मचा हुआ था। पानी केवल लोगों की आँखों में आँसू के रूप में दिखाई देता था।

समझिए व्याकरण संबोध

1. **इन शब्दों में उचित स्थान पर नुकता लगाकर लिखिए—**

आवाज	—	आवाज़	जमीन	—	ज़मीन	कागज	—	काग़ज़
बरफ	—	बरफ़	ज्यादा	—	ज़्यादा	टेलीफोन	—	टेलीफ़ोन
अंग्रेज	—	अंग्रेज़	महफिल	—	महफ़िल	जमाना	—	ज़माना

2. **पर्यायवाची शब्द लिखिए—**

नेत्र	—	नयन, आँख	नदी	—	सरिता, तरंगिणी
राजा	—	नृप, महीप	अमीर	—	रईस, धनवान
वर्षा	—	बरखा, बारिश	फूल	—	पुष्प, सुमन

3. **विपरीतार्थक शब्द लिखिए—**

सुखी	×	दुखी	विश्वास	×	अविश्वास	गरीब	×	अमीर
महँगा	×	सस्ता	संदेह	×	निस्संदेह	अनजान	×	जानकार

Scanned with OKEN Scanner

9 चार्ली चैपलिन का खत

पाठ-योजना

पाठ का नाम	**चार्ली चैपलिन का खत**
कालांश संख्या	4 से 8
शिक्षण प्रक्रिया	Student Led
पाठ का उद्देश्य	• अनौपचारिक पत्र के प्रारूप और शैली से परिचित करवाना • एक पिता का अपनी बेटी के प्रति भावात्मक लगाव बताना। • सफलता, असफलता, समाज के निम्न और वंचित वर्ग के प्रति सहानुभूति की भावना जाग्रत करना। • आम आदमी की तरह व्यवहार करना, किसी का भी अपमान न करना। • किसी विदूषक के हृदय में भी गंभीर विचार हो सकते हैं— यह बताना। • आत्मगौरव, स्वाभिमान, संवेदनशीलता, आदर जैसे नैतिक मूल्यों का विकास करना • विशेषण-विशेष्य, संधि-विच्छेद, उपसर्ग, विलोम का अभ्यास करवाना • विभिन्न गतिविधियों द्वारा सृजनात्मक क्षमता का विकास करना
पाठ में आने वाले विषय	संधि-विच्छेद, उपसर्ग, विलोम, विशेषण-विशेष्य, पत्र लेखन, एकल अभिनय, लेख, पी.पी.टी. निर्माण, तुलनात्मक अभिव्यक्ति
शिक्षण सामग्री	शिक्षण सामग्री— Smart Board और एनीमेशन, पाठ्यपुस्तक, Websupport (Worksheets), कॉपियाँ, पेंसिल आदि।
मानक/अमानक शब्द	सन्नाटे/सन्नाटे, समृद्ध/समृद्ध, संपन्न/सम्पन्न, मरज़ी/मर्ज़ी, सिक्का/सिक्का, रक्त/ रक्त
आरंभ— चर्चा एवं समूह वाचन, कौशल—पठन, वाचन-श्रवण	• बच्चों से विश्व के प्रसिद्ध विदूषकों के नाम पूछें। • प्रसिद्ध पत्रों के बारे में बताएँ; जैसे नेहरू जी द्वारा इंदिरा गांधी को लिखे, अब्राहम लिंकन द्वारा बेटे को लिखे पत्र। • Smart Board पर पाठ का एनिमेशन दिखाएँ और वाचन सुनवाएँ। • पाठ का सार बताएँ। • कक्षा को छोटे-छोटे समूहों में बाँटें और हाव भाव के साथ उच्चारण करवाएँ। • पाठ में आए कठिन शब्द Board पर लिखें और सही उच्चारण व अर्थ बताएँ। • पाठ की प्रासंगिकता के बारे में बच्चों को चर्चा करने दें। उनके विचार जानें और अपने भी विचार रखें।
मध्य कौशल— लेखन, वाचन	• माइंड मैप द्वारा पाठ की पुनरावृत्ति करवाएँ। • 'पढ़िए' शीर्षक के अंतर्गत दिए गए शब्दों का उच्चारण करवाएँ। श्रुतलेख भी करवा सकते हैं। बच्चे एक-दूसरे के लिखे गए शब्दों की वर्तनी जाँचें। • 'बताइए' और 'सोचिए' के अंतर्गत दिए गए प्रश्नों पर कक्षा में चर्चा करें। बच्चे मौखिक रूप से उत्तर दें। • 'लिखिए' शीर्षक के अंतर्गत दिए गए प्रश्न संख्या 1 और 'व्याकरण संबोध' के प्रश्नों का हल छात्र पुस्तक में ही लिखें और एक दूसरे के उत्तरों का मूल्यांकन करें। • प्रश्न संख्या 2 और 3 के उत्तरों पर छात्र कक्षा में चर्चा करें और उत्तर कॉपी में लिखें। शिक्षक चर्चा द्वारा सही उत्तर पर पहुँचने में सहायता करें।

Scanned with OKEN Scanner

	• विषय संबंधित गतिविधियों के अंतर्गत छात्रों के समूह बनवाएँ। प्रत्येक समूह अपनी इच्छानुसार गतिविधि का चुनाव करे और कक्षा में प्रस्तुत करें। • 'क्या होता यदि' शीर्षक के अंतर्गत दी गई स्थिति पर सामूहिक चर्चा करवाएँ और मुख्य बिंदुओं को कॉपी में नोट करवाएँ।
अंत कौशल— लेखन, वाचन	Websupport से Worksheet के प्रिंट लेकर बच्चों को वितरित करें और गृहकार्य के रूप में करके लाने को कहें। कक्षा के सभी बच्चे एक-दूसरे की Worksheet की जाँच करें अथवा शिक्षक सही उत्तर कक्षा में बुलवाएँ और छात्रों को स्वमूल्यांकन करने दें।
शिक्षण संप्राप्तियाँ	• अनौपचारिक पत्र के प्रारूप को जानकर पत्र लेखन कर सकेंगे। • संतान के प्रति पिता की भावनाओं को समझेंगे। सबके प्रति सम्मान भाव रखेंगे। • संवेदनशील बनेंगे। • कला का महत्व जानेंगे। • कठिन शब्दों के अर्थ जानकर वाचन-लेखन में उनका प्रयोग कर सकेंगे। • संधि शब्दों तथा अन्य व्याकरणिक बिंदुओं का अभ्यास हो जाएगा। • विविध रचनात्मक गतिविधियों द्वारा सृजनात्मक क्षमता का विकास होगा।

पाठ का सार

महान विदूषक चार्ली चैपलिन ने अपनी बेटी को पत्र लिखकर उसे सफल जीवन जीने की सीख दी है। यह पत्र सन 1965, क्रिसमस की रात को लिखा गया चार्ली चैपलिन ने अपने जीवन के बारे में बताया कि उन्होंने लगभग चालीस वर्षों तक लोगों का मनोरंजन किया, परंतु स्वयं अपनी गरीबी और बेबसी पर मन ही मन रोए। धन के अभाव में स्वयं के आत्मसम्मान को छलनी होते देखा। गरीबी की मार क्या होती है उसे वे अच्छे से जानते हैं इसलिए बेटी को किसी गरीब का अपमान न करने की सीख दी। उनका मानना है कि बुलंदी को छूकर भी आम आदमी की तरह व्यवहार करना चाहिए। अहंकार नहीं करना चाहिए। वे लिखते हैं कि बेटी, सदा जरूरतमंद की मदद करना। चार्ली चैपलिन सदा अच्छा इंसान बनने की कोशिश करते रहे और अपनी बेटी को भी अच्छा इंसान बनने की प्रेरणा देते थे।

अभ्यास

पढ़िए

1. **मानक वर्तनी एवं वाचन (उच्चारण)**

   दिए गए शब्दों की शुद्ध वर्तनी कक्षा में बोर्ड पर लिखवाएँ या कॉपी में लिखने को कहें। शब्दों का कक्षा में शुद्ध उच्चारण करवाएँ।

2. **बताइए**

   क. क्रिसमस की रात को कौन-कौन सो रहा था?

   उ. क्रिसमस की रात को चार्ली की पत्नी, बेटा और बेटी सो रहे थे।

   ख. चार्ली चैपलिन की बेटी का नाम क्या था?

   उ. चार्ली चैपलिन की बेटी का नाम ज़िराल्डाइन था।

   ग. चार्ली ने अपनी बेटी को चेक बुक क्यों भेजी?

   उ. चार्ली ने अपनी बेटी को चेक बुक इसलिए भेजी ताकि बेटी अपनी मरज़ी से खर्च कर सके।

Scanned with OKEN Scanner

3. **सोचिए (गहन चिंतन, मूल्यपरक प्रश्न)**

❖ परिवार से मिले संस्कार व्यक्ति के जीवन में क्या भूमिका निभाते हैं?

उ. संस्कार किसी व्यक्ति की पहचान है। इससे उसका व्यक्तित्व निखरता है। अच्छा व्यक्तित्व उसके संस्कार से ही आता है। हमारा घर संस्कार की पाठशाला है। संस्कार की शुरुआत घर व परिवार से होती है। परिवार से मिले ये संस्कार हमें जीवन में उच्चतम मूल्यों और नैतिकता की दिशा में ले जाते हैं और हमें सही और गलत के बीच अंतर करने में मदद करते हैं।

लिखिए

1. **गद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर छाँटिए और लिखिए—**

''तुम मुझसे कितनी ..... इतना सुंदर नृत्य।''

क. बेटी की फ़ोटो कहाँ रखी थी? iii. मेज पर ✓

ख. चार्ली चैपलिन अपनी बेटी की आँखों में क्या देखते हैं? i. टिमटिमाते तारों की चमक ✓

ग. चार्ली चैपलिन को अपनी बेटी के कदमों की आहट कब सुनाई देती है? i. रात के सन्नाटे में ✓

घ. चार्ली चैपलिन क्या चाहते हैं?

उ. चार्ली चैपलिन चाहते हैं कि यदि उनकी बेटी का चेहरा किसी दिन उनकी आँखों के सामने न रहे, उस दिन वे अंधे हो जाएँ।

ङ चार्ली चैपलिन अपनी बेटी के नृत्य को किस प्रकार से वर्णित करते हैं?

उ. चार्ली चैपलिन अपनी बेटी के नृत्य के बारे में कहते हैं कि तुम सपने जैसे भव्य शहर पेरिस में चैम्प्स एलिसस के शानदार मंच पर नृत्य कर रही हो। शरद ऋतु के आकाश में टिमटिमाते तारों की चमक मैं तुम्हारी आँखों में देख सकता हूँ। ऐसा लावण्य और इतना सुंदर नृत्य।

2. **संक्षेप में उत्तर लिखिए—**

क. चार्ली चैपलिन ने अपनी बेटी को थियेटर से लौटते समय किससे बात करने की सलाह दी?

उ. चार्ली चैपलिन ने अपनी बेटी को थियेटर से लौटते समय टैक्सी ड्राइवर से बात करने की सलाह दी।

ख. चार्ली चैपलिन ने अपनी बेटी को किस प्रकार से प्रेम करने की सलाह दी?

उ. चार्ली चैपलिन ने अपनी बेटी को सच्चे दिल से प्रेम करने की सलाह दी।

ग. कला के क्षेत्र में क्या सावधानी बरतने की सलाह दी गई है?

उ. कला के क्षेत्र में यह सावधानी बरतने की सलाह दी गई है कि अपनी कला से ऊँची उड़ान भरना लेकिन अपने पैर ज़मीन पर भी टिकाए रखना। कला किसी कलाकार को पंख देने से पहले उसके पाँवों को लहूलुहान ज़रूर करती है। निरंतर सीखते रहना ही तो कला है। इसलिए सदा सीखने के लिए प्रयासरत रहना।

घ. चार्ली चैपलिन ने अपनी बेटी को दूसरों की मदद के लिए क्या करने की सलाह दी?

उ. चार्ली चैपलिन ने अपनी बेटी को दूसरों की मदद के लिए सलाह दी कि विधवाओं और अनाथों को दया-दृष्टि से देखना। दो सिक्के खर्च करने के बाद सोचना कि तुम्हारे हाथ में पकड़ा तीसरा सिक्का तुम्हारा नहीं है, यह उस अज्ञात व्यक्ति का है जिसे इसकी बेहद ज़रूरत है।

3. **विस्तार से उत्तर लिखिए—**

क. लेखक ने अपनी बेटी जिरल्डाइन को जीवन के किन महत्वपूर्ण पहलुओं पर ध्यान देने के लिए कहा और क्यों?

उ. लेखक अपनी बेटी जिरल्डाइन को जीवन के महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में बताते हुए कहते हैं कि कला तुम्हें उड़ने के लिए आकाश देगी पर ध्यान रखना कि तुम्हारे पाँव सदा धरती पर टिके रहें। तुम्हें लोगों की जिंदगी को करीब से देखना चाहिए सब-वे से गुज़रना, कभी पैदल चलकर शहर में घूमना। लोगों को ध्यान से देखना, विधवाओं और अनाथों को दया-दृष्टि से देखना। याद रखना कि सबसे बड़ा हीरा तो सूरज है जो सबके लिए चमकता है। जब कभी तुम किसी से प्यार करने लगो तो उसे पूरे दिल से प्यार करना।

Scanned with OKEN Scanner

ख. चार्ली चैपलिन ने अपने जीवन की कठिनाइयों और संघर्षों का वर्णन कैसे किया है? इसका उनकी बेटी पर क्या प्रभाव हो सकता है?

उ. चार्ली चैपलिन ने अपने जीवन की कठिनाइयों और संघर्षों के बारे में बेटी को बताते हुए लिखा है कि वह लंदन की गंदी बस्तियों में नाच-गाकर अपनी रोज़ी कमाता था। उसने पेट की भूख देखी है। सिर पर छत न होने का दंश झेला है। उसकी मदद के लिए उछाले गए सिक्कों से उसका आत्मसम्मान छलनी हुआ है। उसने चालीस वर्षों से भी अधिक समय तक लोगों का मनोरंजन किया, पर हँसने से अधिक वह मन ही मन रोया है।

ग. ज़िराल्डाइन को पैसे के महत्व के बारे में चार्ली ने क्या समझाया?

उ. ज़िराल्डाइन को पैसे के महत्व के बारे में चार्ली ने बताया कि पैसा एक राक्षस है जिसका बहुत महत्व है। पैसे के बिना पेट की भूख नहीं मिटती है। सिर पर छत न होने का दंश झेलना पड़ता है। पैसे के अभाव में आत्मसम्मान छलनी होता है। साथ ही वे बेटी को सोच-समझकर पैसा खर्च करने की बात कहते हैं।

घ. पिता और बेटी के बीच के संबंधों को चार्ली चैपलिन ने कैसे व्यक्त किया है? उनके विचारों का ज़िराल्डाइन पर क्या प्रभाव पड़ सकता है?

उ. पिता और बेटी के बीच के संबंधों को चार्ली चैपलिन ने बड़े भावात्मक तरीके से व्यक्त किया है। वे बेटी के चेहरे को सदा आँखों में रखना चाहते हैं। रात के सन्नाटे में भी उसकी आहट को सुन सकते हैं। उन्होंने रात-रात भर बैठकर बेटी को कहानियाँ सुनाई हैं। वे बेटी को सफलता के आकाश में उड़ते हुए देखना चाहते हैं। साथ ही आदर्श पिता की भाँति उसे जीवन के पहलुओं से भी अवगत कराते हैं। उनका मानना है कि उनका रक्त उनकी बेटी की धमनियों में बह रहा है। उनके इस संसार में न रहने पर भी वह रक्त उसे अपने पिता की याद दिलाता रहेगा। उनके विचारों का ज़िराल्डाइन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है, अपने पिता की सीखों को आत्मसात करके वह अच्छी इनसान बन सकती है।

भाव स्पष्ट कीजिए—

क. कला किसी कलाकार को पंख देने से पहले उसके पाँवों को लहूलुहान जरूर करती है।

उ. जब कोई कलाकार अपनी कला को दुनिया के सामने लाता है तो उसे पहचान और सफलता तुरंत नहीं मिलती इसके लिए उसे वर्षों तक मेहनत करनी पड़ती है। कई बार ऐसे अवसर भी आते हैं जब अपनी कला को मुकाम तक पहुँचाने में मानो कलाकार खुद को टूटता हुआ पाता है।

ख. निरंतर सीखते रहना ही तो कला है।

उ. कला का कोई अंत नहीं है लगातार अभ्यास और सीखते रहना भी अपने-आप में कला है। यह हमारी कला को निखारता है।

समझिए व्याकरण संबोध

1. संधि-विच्छेद कीजिए—

अनावृत — अन् + आवृत	राजेश — राज + ईश	दयानंद — दया + आनंद
महोत्सव — महा + उत्सव	भावार्थ — भाव + अर्थ	महात्मा — महा + आत्मा
धर्माधर्म — धर्म + अधर्म	महेश्वर — महा + ईश्वर	

2. निम्नलिखित शब्दों में उपसर्ग और मूल शब्द को अलग-अलग लिखिए—

अज्ञात — अ + ज्ञात	निराशा — निर + आशा	संपूर्ण — सम् + पूर्ण
अधजगा — अध + जगा	निष्कर्ष — निस् + कर्ष	उपकार — उप + कार
असहाय — अ + सहाय	प्रवेश — प्र + वेश	
प्रत्येक — प्रति + एक	अधिकार — अधि + कार	

3. विलोम शब्द लिखिए—

प्रसन्नता × अप्रसन्नता	भव्य × साधारण	उत्साह × निरुत्साह
प्रकाश × अंधकार	भूल × याद	सच्चाई × झूठापन
सपने × वास्तविकता	सम्मान × अपमान	धनवान × निर्धन

Scanned with OKEN Scanner